

ब्याज माफियाओं के आतंक से परेशान एक परिवार ने इच्छा मृत्यु की मांग की

शिकायत में बताया कि पिछले आठ वर्ष में करीब 7 करोड़ से अधिक ब्याज चुकाने के बाद भी सूदखोरों का हिसाब 10 करोड़ से अधिक निकल रहा है

भीलवाड़ा, (निस)। शहर में ब्याज माफियाओं का आतंक इस कदर बढ़ चुका है कि इनके जाल में फंसे एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को परिवार के साथ जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के सामने पेश होकर इच्छा मृत्यु की मांग करना पड़ी।

परिवार की अधिवक्ता अंकिता बांगड़ ने बताया कि पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट राहुल दरगड़ ने माहेश्वरी समाज के लोगों से पैसे उधार लिए। इन लोगों ने 6 रुपये से लेकर 15 रुपये तक प्रतिमाह तक ब्याज वसूला और पिछले करीब 7 वर्ष से उसे धमका कर गैर कानूनी वसूली करते रहे। दरगड़ ने शिकायत में बताया कि ऑफिस चालू करते समय वर्ष 2016 में निजी आवश्यकताओं के चलते उसने कुछ लोगों से करीब 20-25 लाख रुपये 1 से 1.5 रुपये प्रति सैकड़ा की दर से उधार लिए। कुछ माह तक ऑफिस सेट नहीं हो पाया जिसके चलते आर्थिक स्थिति बिगड़ गयी, जिसकी जानकारी ब्याज माफियाओं को हो गयी और यही से उन सभी के द्वारा सूदखोरों का खेल शुरू हुआ। माफिया दबाव बनाने लगे कि अब ब्याज की दर 7 रुपये से 12



चार्टर्ड अकाउंटेंट परिवार के साथ जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा।

रुपया प्रति सैकड़ा प्रति माह लगेगी। उस समय से वे, उन सभी के जाल में फंस कर उनकी नाजायज और गैर कानूनी ब्याज की मांग पूरी करता गया। दरगड़ ने शिकायत में बताया कि पिछले आठ वर्ष में करीब 7 करोड़ से अधिक ब्याज चुकाने के बाद भी इन

सूदखोरों का हिसाब 10 करोड़ से अधिक निकल रहा है जबकि इस दौरान जीवन भर की कमाई और करीब 2 करोड़ का लोन भी इन सूदखोरों द्वारा हड़प लिया गया। साथ ही उसकी पत्नी के करीब 50 तोला जेवरत और मां के 30 तोला जेवरत भी इन सूदखोरों

के आतंक के चलते बेचने पड़े। करीब 15 दिन पूर्व एक सूदखोर द्वारा भेजे गए गुंडों ने परिवार की घर में घुस कर मारपीट की और धमकाया कि एक माह में अगर 10 का ब्याज और 10 रुपये सैकड़ा की पेनल्टी नहीं दी तो तुझे खत्म कर देंगे। चार्टर्ड अकाउंटेंट

■ चार्टर्ड अकाउंटेंट परिवार के साथ जिला पुलिस अधीक्षक के सामने पेश हुआ

ने शिकायत में यह भी बताया कि उस दिन से वह, पूरी तरह टूट गया और दो बार आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन पत्नी और बच्चों का मायूस चेहरा देख कर रुक गया। फिर घर से भाग जाने की सोची तो भी हिम्मत नहीं जुटा पाया।

दरगड़ ने पुलिस अधीक्षक से सूदखोरों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही कर सजा दिलाने या उसे पत्नी सहित इच्छा मृत्यु की अनुमति देने की मांग की। शिकायत में दरगड़ ने नीरज हेडा, महेश भदादा, हरीश पोरवाल, कैलाश चौधरी, महेश डाड, शांतिलाल डाड, शिवम काकानी, सुरेश दरक, पुष्पा अजमेरा, कौशल पोरवाल, दिनेश आगाल, गोविंद भंडारी, शंभु झंवर, सुधीर सोनी, हर्षवर्धन राठौड़ व अन्य करीब 17 से ज्यादा ब्याज माफियाओं के खिलाफ शिकायत दी है।

न्यायिक अधिकारी पर चप्पल फेंकने के आरोपी ने माफी मांगी

आरोपी को कोर्ट में पेश करने पर भीड़ की मांग पर आरोपी ने माफी मांगी



पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को कोर्ट से निकाल कर जेल भिजवाया।

भीलवाड़ा, (निस)। भीलवाड़ा सेशन कोर्ट परिसर में शुक्रवार को एक बार फिर हंगामे का माहौल बन गया। न्यायिक अधिकारी पर चप्पल फेंककर न्यायिक कार्यवाही बाधित करने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट के तहत जेल से गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को आरोपी को कोर्ट में पेश करने पर वहां भीड़ जुट गई और हंगामा भी हुआ। भीड़ की मांग पर आरोपी ने माफी मांगी। इसके बाद कड़ी सुरक्षा के बीच उसे कोर्ट से निकाल कर जेल ले जाया गया।

कोतवाली राजपाल सिंह के अनुसार, कारवांखेड़ा निवासी इस्माइल उर्फ पोंडिया उर्फ बाबू पुत्र छोड़ू खां

चोरी के केस में जेल में बंद था। 27 मई को इस्माइल को एक प्रकरण में न्यायिक अभिरक्षा से न्यायालय में पेश किया गया था। न्यायालय में पीठासीन अधिकारी अन्य न्यायिक पत्रावलियों में कार्यवाही कर रहे थे, तभी इस्माइल ने अपनी पहनी हुई चप्पल पीठासीन अधिकारी पर फेंकी, जिससे न्यायिक कार्यवाही बाधित हुई। इस घटना को लेकर रीडर बबीता जैन ने कोतवाली में केस दर्ज करवाया था।

अनुसंधान अधिकारी रसीद मोहम्मद ने प्रकरण की जांच के बाद इस आरोपित को प्रोडक्शन वारंट के तहत जेल से गिरफ्तार किया। उसे आज कोर्ट में पेश किया। इसकी भनक लगते

ही कोर्ट के बाहर भीड़ जुट गई। न्यायिक अधिकारी पर चप्पल फेंकने को लेकर भीड़ में रोष था। न्यायालय के बाहर भीड़ जुटने के बाद वहां हंगामा खड़ा हो गया। उधर, आरोपित इस्माइल के साथ मारपीट की आशंका के चलते अतिरिक्त पुलिस बल बुलवा लिया गया। एएसपी विमल सिंह नेहरा, डीएसपी सदर श्यामसुंदर विश्वा, डीएसपी सिटी, कोतवाली व सुभाषनगर थाने का पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने भीड़ से समझाइश की। ऐसे में लोगों ने आरोपित माफी मांगने की जिद पर अड़ गये। इसके बाद आरोपित के भीड़ के सामने माफी मांगने के बाद मामला शांत हो पाया।

दुष्कर्मी गिरफ्तार

अजमेर, (कास)। सिविल लाइन थाना पुलिस ने पहिला को डेढ़ साल तक शादी का झंसा देकर दुष्कर्मी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पीड़िता से दोस्ती की और बाद में झंसा देकर कोल्ड ड्रिंक और पिज्जा में नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्मी किया था। पुलिस गिरफ्तार आरोपी को कोर्ट में पेश कर अग्रिम अनुसंधान में जुटी है। सिविल लाइन थाने के सब इंस्पेक्टर रामनिवास मीणा ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर 19 मई को मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में मुकदमा दर्ज का टीम का गठन किया गया और कारवाही के निर्देश दिए गए। टीम ने कारवाही करते हुए प्रताप कुमार उर्फ विक्की (30) पुत्र शंकर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मजदूरी करने के दौरान पीड़िता से दोस्ती की थी। बाद में उसे शादी का झंसा देकर दुष्कर्मी किया था। आरोपी को कोर्ट में पेश किया।

कोटा से लापता नीट का छात्र गोवा में मिला

कोटा, (निस)। गंगापुरसिटी से कोटा में मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने आया एक छात्र 6 मई को लापता हो गया था। पुलिस ने उसको बड़ी मशक्कत कर गोवा के मडगांव से ढूंढ निकाला है। छात्र करीब 24 दिन बाद पुलिस को मिला है। पुलिस कोचिंग छात्र की तलाश में कई राज्यों में भी गई थी। विज्ञान नगर थाना अधिकारी सतीश चंद्र चौधरी ने बताया कि लापता होने के दौरान सबसे पहले वह पुणे गया था। इसके बाद वह जम्मू में वैष्णो देवी चला गया और बाद में वह गोवा पहुंचा। उसके लापता होने के यह कारण सामने आया है कि उसका नीट यूजी का पेपर बिगड़ गया था। सीआई सतीश चंद्र चौधरी ने

बताया कि नीट यूजी की तैयारी करने के लिए गंगापुर जिले के बामनवास से कोटा आए 19 वर्षीय राजेंद्र मीणा के पिता जगदीश मीणा ने थाने पर उपस्थित होकर बताया था कि राजेंद्र ने उन्हें मोबाइल पर एक मैसेज किया। जिसमें लिखा था कि 'मैं घर छोड़कर जा रहा हूँ, आगे की पढ़ाई नहीं करनी, अब 5 साल बाद ही घर आऊंगा। मेरे पास सब लोगों के नंबर है, मुझे जरूरत होगी तो मैं कॉल कर लूंगा।' इसमें एक बार फोन जरूर करूंगा। इसके बाद पूरा परिवार चिंता में था। इसके बाद पुलिस ने उसे गोवा में ढूंढ निकाला। सीआई चौधरी ने बताया कि राजेंद्र ने कोटा में ही अपनी सिम तोड़ दी थी और मोबाइल भी बेच दिया था।

युवक की मौत

सादुलपुर, (निस)। सिद्धमुख थाना अंतर्गत गांव टुंडा खेड़ी निवासी एक मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। शुक्रवार को मिली जानकारी में थाना अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह झाड़िया ने बताया कि कुलदीप धाणक निवासी टुंडा खेड़ी तहसील सिद्धमुख पुलिस थाना सिद्धमुख में मामला दर्ज करवा कर बताया कि उसका बड़ा भाई बलवान धाणक उम्र 35 साल जो कई दिनों से मानसिक रूप से बीमारी से परेशान था तथा मंद बुद्धि भी था। उसका ससुराल हिसार सादुलपुर रेलखंड पर स्थित गांव लुटाना पूर्ण है। जो 30 मई 2024 को अपनी ससुराल की ओर आया हुआ था। तथा अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया। जिसके कारण उसके भाई की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिवार में सौंप दिया।

आम रास्ते में लगी भीषण आग, पेड़-पौधे जले

खेतड़ी, (निस)। खेतड़ी उपखंड के नानुवाली बावड़ी के पास आम रास्ते में शुक्रवार दोपहर को आग लग गई। इस दौरान हवा तेज होने से आग तेजी से फैलने लगी। खेतड़ी से आई दमकल की मदद से करीब डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू पाया गया।



आग लगने से काफी संख्या में पेड़ पौधे जलकर राख हो गए।

खेतड़ी नगरपालिका के दमकल कर्मी फायरमैन अनिल कुमार ने बताया कि फोन के जरिए सूचना मिली कि नानुवाली बावड़ी के पास बने धन धन सतारु आश्रम की ओर जाने वाले मुख्य रास्ते पर आग लगी हुई है। सूचना पर वह मौके पर पहुंचे तो रास्ते के दोनों ओर पेड़-पौधों में आग लगी हुई थी। इससे पहले ग्रामीणों ने आम रास्ते में लगी आग को बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन हवा तेज होने से आग

आगे की ओर फैल रही थी। इस दौरान मौके पर पहुंची नगरपालिका की दमकल की मदद से ग्रामीणों ने करीब डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। ग्रामीणों ने बताया कि यह

आमजन के लिए गांव से आश्रम में जाने का मुख्य रास्ता है। राहगीरों ने आग लगने की जानकारी ग्रामीणों को दी, लेकिन ग्रामीण आग बुझाने में सफल नहीं हो

■ डेढ़ घंटे की मशक्कत से दमकल की मदद से बुझाई आग

सके। आम रास्ते के दोनों ओर आग लगने से काफी संख्या में पेड़ पौधे जलकर राख हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आग हवा के कारण विक्राल रूप धारण कर लेती, जिससे बड़ा हादसा भी हो सकता था। ग्रामीणों ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया। इस मौके पर फायरमैन अनिल कुमार, अमीलाल, मुकेश कुमार, राजवीर, कैलाश, विकास, कृष्ण सहित अनेक लोग मौजूद थे।

वन्यजीव की तस्करी व बेचान मामले में एक गिरफ्तार

कोटा, (निस)। अवैध रूप से वन्यजीव की तस्करी व बेचान के मामले में वाइल्डलाईफ क्राइम कंट्रोल बोर्ड दिल्ली की सूचना पर वन विभाग ने कारवाही की है। कोटा टेरिटोरियल वन विभाग की टीम व वन्य जीव विभाग की टीम ने एक युवक को अवैध रूप से स्टार कछुए और गागरोनी तोते को अपने पास रखने और बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

युवक सोशल मीडिया के जरिए ग्राहकों को इन वन्यजीव का अवैध रूप से बेचान करता था। सीमा होने के बाद जब पैसा मिल जाता था तब वह इन्हें बस

■ स्टार कछुए और गागरोनी तोते को रखने व बेचने के आरोप में गिरफ्तार

के जरिए ट्रांसपोर्ट कर खरीदने वाले व्यक्ति तक पहुंचाता था। ऐसे में अब बस ऑपरेटर के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। वन विभाग कोटा के उपवन संरक्षक अपूर्व कृष्ण श्रीवास्तव का कहना है कि यह कारवाही स्टेशन इलाके के डडवाड़ा में चितौड़ा फार्म कॉलोनी में की गई है। इसके संबंध में एक्टिविस्ट ने वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल बोर्ड

दिल्ली को शिकायत दी थी। जिसके बाद ही उपवन संरक्षक वन्यजीव अनुराग भटनागर और ट्रेनिंग आईएफएस विवेक पांडे के साथ वन्यजीव और वन विभाग टेरिटोरियल की टीम पहुंची थी। जहां पर शुभम गौतम को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 12 स्टार कछुए और चार गागरोनी तोते बरामद किए गए हैं। शुभम के मोबाइल में कछुओं और अन्य वन्यजीव बेचने के सबूत मिले हैं। रंजर संजय ने बताया कि शुक्रवार को आरोपी शुभम गौतम को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

झुंझुनू किडनी कांड में हो रहे नये खुलासे

झुंझुनू, (निस)। डॉ. संजय धनखड़ के किडनी कांड में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। अब जिस किडनी को डॉ. संजय धनखड़ ने अपने धनखड़ अस्पताल में आपरेशन कर निकाला था, वो ही नहीं मिल रही है। इस मामले में डॉ. धनखड़ का कहना है कि उन्होंने किडनी परीजनों को दे दी, जबकि परीजनों का कहना है कि उन्हें किडनी दिखाई थी, लेकिन दी नहीं गई। अब सभी के मन में सवाल यही है कि आखिरकार निकाली गई सही किडनी गई कहां। इसे लेकर तरह-तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं, जबकि ऑर्गन एक्ट के तहत ऑर्गन को 10 साल और

बायोप्सी स्लाइड 12 माह तक सुरक्षित रखने का नियम है, लेकिन अस्पताल ने इस नियमों की पालना लापरवाही और गैर जिम्मेदाराना ढंग से नहीं की। या फिर किडनी को लेकर कोई और ही कहानी रची जा रही है। इधर, ऑर्गन एक्ट के बारे में डॉ. धनखड़ ने किसी प्रकार की जानकारी होने से मना किया है। जानकारी के अनुसार डॉ. संजय धनखड़ पर न्याय निवासी ईद बानो का आपरेशन कर गलत किडनी निकालने के आरोप लगे हुए हैं। जिसकी जांच विभिन्न स्तरों पर चल रही है। वहीं ईद बानो को इलाज के लिए एसएमएस जयपुर में किया जा रहा है।

खेतड़ी, (निस)। सिंधाना थाना क्षेत्र के डूमोली खर्द में रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट करने का मामला सामने आया है। इस दौरान तीन जने घायल हो गए, जिनमें एक व्यक्ति की हलाल गंभीर होने पर झुंझुनू रैफर किया गया है।

पीड़ित धर्मपाल गुर्जर ने थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दी कि उसके मकान के सामने रोहिताश व उसकी पत्नी ने पत्थर डाल दिए। जब उनको घर के सामने रास्ते में पत्थर डालने के लिए मना किया तो उन्होंने रास्ता बंद करने की धमकी दी गई। इसके बाद वह अपने

घर चला गया तथा रात करीब दस बजे रोहिताश, किशनलाल, अनिल, कपिल, सचिन, नरेश, मुनेष, छोटी देवी व 15-20 अन्य लोग एकराय होकर उनके घर पर आए तथा मकान का मुख्य दरवाजा तोड़ते हुए उसे व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देने लगे।

इस दौरान जब उसने उक्त लोगों से समझाइश करने का प्रयास किया तो उन्होंने उसके घर पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। शोर-शराबा होने पर उसका भाई हनुमान सिंह, पिंकी, शांति, सुरेंद्र व अन्य लोग बीच बचाव करने आए तो आरोपियों ने उन पर पत्थरों से हमला

कर दिया। इस दौरान आपस में हुई मारपीट में हनुमान सिंह, पिंकी, सुरेंद्र घायल हो गए, जिनको सिंधाना के राजकीय अस्पताल में ले जाया गया। इस दौरान हनुमान सिंह के मुंह पर चोट अधिक होने के कारण उसे झुंझुनू रैफर कर दिया। घटना की सूचना पर सिंधाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना के बारे में जानकारी जुटाई। थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया कि पीड़ित की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच एएसआई सुबेसिंह यादव कर रहे हैं।

छप्पर में आग लगने से कई मवेशी जिंदा जले



आग की लपटों को देख ग्रामीण इकट्ठा हो गए।

मनियां, (निस)। धौलपुर जिले के मनियां क्षेत्र के गांव उर्दई का पुरा में एक छप्परपोश मकान में भयानक आग लग गई। आग से गांव के प्रताप, दिनेश एवं अन्य लोगों का हजारों रुपए सहित पशुधन और अनाज का नुकसान हुआ है। साथ ही 11 भेड़-बकरियां, एक बछड़ा और एक भैंस की आग में झूलसने से मौत हो गई। आग लगने के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

स्थानीय निवासी रिकू कुशवाहा ने बताया कि छप्परपोश मकान में अज्ञात

■ 11 भेड़-बकरियां, एक बछड़ा और एक भैंस की आग में झूलसने से मौत

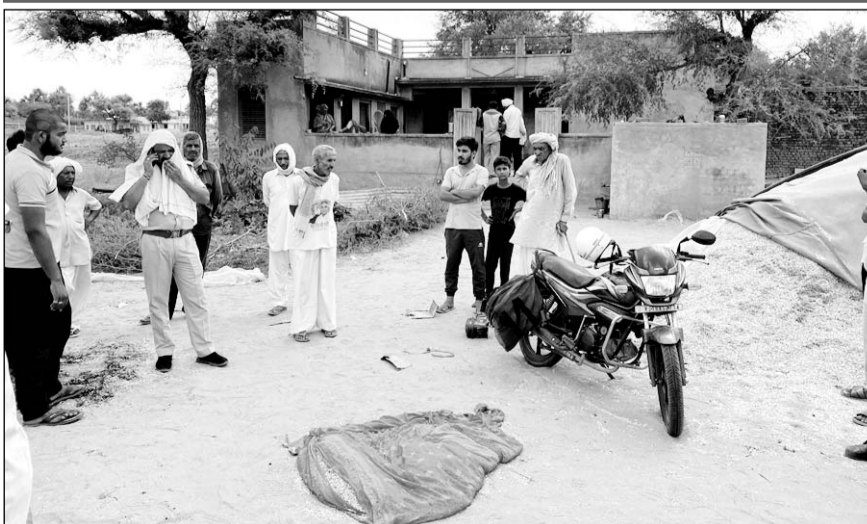
कारणों के चलते भीषण आग लग गई थी। आग की लपटों को देख ग्रामीण इकट्ठा हो गए और आग बुझाने का प्रयास करने लगे। वहीं आनन-फानन में दमकल गाड़ी को भी सूचना दी, जिसके मौके पर पहुंचने में देर हो गई।

फिर ग्रामीणों ने भारी मशक्कत के

बाद करीब 2 घंटे में आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर खाक हो गया और छप्परपोश में बंधे पशुओं की जलकर मौत हो गई। आग इतनी भयानक थी कि गांव में अफरा तफरी मच गई। ग्रामीणों ने बताया कि आग लगने से पीड़ितों का हजारों रुपए के माल का नुकसान हुआ है। पीड़ित परिवार जैसे तैसे करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा है। अब पीड़ित परिवार पूरी तरह से आहत हो गया है। ग्रामीणों ने पीड़ितों की मदद के लिए प्रशासन से गुहार लगाई है।

तेज गर्मी से बाइक पर रखा एसी की गैस का सिलेंडर फटा, दो की मौत

मैकेनिक और हेल्पर को दोगादास गांव में घर पर फ्रीज ठीक करने बुलाया था



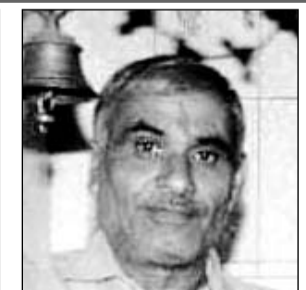
पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

झुंझुनू, (निस)। सदर थाना इलाके के दोगादास गांव में एसी में डाले जाने वाली गैस का सिलेंडर फटने से एक मैकेनिक और उसके हेल्पर की मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक झुंझुनू

शहर के किसान कॉलोनी निवासी नरेश रोहिताशा एसी और फ्रीज रिपेयर का काम करते थे। शुक्रवार को उन्हें दोगादास गांव में धनपत शर्मा के घर पर फ्रीज ठीक करने के लिए बुलाया गया था। वे अपने साथी चरू बाईपास

केके कॉलोनी निवासी अखिलेश उर्फ रवि नायक के साथ दोगादास गांव पहुंचे। जहां पर उन्होंने धनपत शर्मा के घर पर फ्रीज ठीक किया और वापिस लौटने लगे। उनके साथ बाइक पर एसी में डाले जाने वाली गैस का सिलेंडर



मृतक युवक।

बैग में रखा हुआ था। जैसे ही नरेश रोहिताशा ने बाइक स्टार्ट की और चलने लगे। इतने में ही पीछे बैठे अखिलेश उर्फ रवि के आगे बैग में रखा सिलेंडर तेज धमके के साथ फट गया। जिससे अखिलेश उर्फ रवि और सिलेंडर दूर जाकर गिरे।

वहीं नरेश रोहिताशा भी बाइक से गिर गए। अखिलेश उर्फ रवि की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नरेश रोहिताशा घायल हो गए। तेज धमके की आवाज सुनकर पास पड़ोस के लोग बाहर आए, जिन्होंने पंहुलेंस को फोन किया। एंजुलेंस ने दोनों को

अस्पताल पहुंचाया। जहां दोनों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परीजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव सौंप दिए। इधर, घटना की सूचना मिलने पर जिला मुख्यालय के एसी, फ्रीज आदि कारोबार और मरम्मत से जुड़े लोग बड़ी संख्या में बीडीके अस्पताल पहुंचे। बताया जा रहा है इस गैस सिलेंडर में एसी में डाले जाने वाली आर 32 गैस थी। सिलेंडर फटने के कारणों की संभावना तेज गर्मी के साथ जोड़कर देखी जा रही है।